अथवा

'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) "महादेवी वर्मा ने अपनी सेविका 'भक्तिन' के अतीत और वर्तमान का परिचय देते हुए उसके व्यक्तित्व का बहुत सुंदर खाका खींचा है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

अथवा

संस्मरण की विशेषताओं के आधार पर 'तुम्हारी स्मृति' पाठ की विस्तृत चर्चा कीजिए।

(ग) निबंध के तत्त्वों के आधार पर 'करुणा' **अथवा** 'देवदारु' निबंध की समीक्षा कीजिए।

★★★

2 0 2 3

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–5016

(हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'देवदारु' निबंध के रचयिता कौन हैं?

(ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल किस युग के निबंधकार हैं?

(ग) विद्यानिवास मिश्र किस प्रकार के निबंधकार हैं?

(घ) शिवपूजन सहाय के किसी एक संस्मरण का नाम लिखिए।

(ङ) निबंध की कोई एक परिभाषा दीजिए।

(च) पाठ के अतिरिक्त शुक्ल-पूर्व युग के किसी एक निबंधकार का नामोल्लेख कीजिए।

(छ) सरदार पूर्ण सिंह का जन्म कब हुआ था?

(ज) सुभान खाँ का घर किसका अखाड़ा था?

(झ) 'तुम्हारी स्मृति' किस प्रकार का निबंध है?

(ञ) हल चलाने वालों के लिए उनका खेत क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) भक्तिन के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ बताइए।

(ख) "शहरों की यह बीमारी धीरे-धीरे देहात में घुसने लगी।" यहाँ शहर की किस बीमारी की बात की जा रही है?

(ग) प्रसाद जी की पुश्तैनी दुकान कहाँ पर थी और उसमें वे क्या बेचते थे?

(घ) 'मोरे राम के भीजे मुकुटवा' से क्या तात्पर्य है?

(ङ) 'भोले भाव मिले रघुराई' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) संस्मरण और रेखाचित्र में किन्हीं पाँच साम्य का उल्लेख कीजिए।

(ख) द्विवेदीयुगीन निबंध के विकास पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'पीपल' रेखाचित्र का सारांश लिखिए।

(घ) सुभान खाँ की किन्हीं पाँच चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(ङ) 'तुम्हारी स्मृति' नामक पाठ के आधार पर लोकमान्य तिलक के व्यक्तित्व के किन्हीं पाँच बिन्दुओं पर चर्चा कीजिए।

(च) 'मजदूरी और प्रेम' निबंध के आधार पर गड़रिये के जीवन पर प्रकाश डालिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

निकम्मे रहकर मनुष्यों की चिंतन-शक्ति थक गई है। बिस्तरों और आसनों पर सोते और बैठे-बैठे मन के घोड़े हार गए हैं। सारा जीवन निचुड़ चुका है। स्वप्न पुराने हो चुके हैं। आजकल की कविता में नयापन नहीं। उसमें पुराने जमाने की कविता की पुनरावृत्ति मात्र है। इस नकल में असल की पवित्रता और कुँवारेपन का अभाव है। अब तो एक नये प्रकार का कला-कौशल-पूर्ण संगीत-साहित्य संसार में प्रचलित होने वाला है।

अथवा

कुछ पंडितों की बन आई, कुछ मुल्लाओं की चलती बनी। संगठन और तंजीम के नाम पर फूट और कलह के बीज बोए जाने लगे। लाठियाँ उछली, छुरे निकले। नौजवान मरे, कितने घर फूँके, बाकी बच गए खेत-खलिहान, सो अंग्रेजी अदालत के खर्चे में पीछे कुर्क हुए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) पठित पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि महाकवि जयशंकर प्रसाद बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे।

(Turn Over)